

---

# Shri Sharada Stotram

श्रीशारदास्तोत्रम्

## Document Information

---

Text title : Shri Sharada Stotram

File name : shAradAstotram4.itx

Category : devii, devI, sarasvatI, shrIdharasvAmI

Location : doc\_devii

Author : Shridharasvami

Description/comments : shrIdharasvAmI stotraratnAkara

Acknowledge-Permission: <https://shridharamrut.com>

Latest update : November 3, 2022

Send corrections to : [Sanskrit@cheerful.com](mailto:Sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 22, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Sharada Stotram

---

### श्रीशारदास्तोत्रम्

---



विबुधवन्दिते बुधजनाश्रिते ।  
जननि शारदे भवतु ते कृपा ॥ १ ॥

मतिविकासिते मतिविशोधिते ।  
मतिवरायिते कुरु कृपां शिवे ॥ २ ॥

विमलबोधिते निजसुभात्मिके ।  
यदि तु ते कृपा स तु सुभी भवेत् ॥ ३ ॥

जननि ते पदं जडविभासकम् ।  
स्फुरत् सर्वदा स्फुटतरं हृदि ॥ ४ ॥

शिष्टवलम्ब्य ले जननि मन एवम् ।  
अति सुशोभनं विशतु तव पदम् ॥ ५ ॥

तव सुशोभनं विमलरूपकम् ।  
जगति विस्तृतं कुरु दयान्विते ॥ ६ ॥

तव कृपान्विता जगति नैकशा- ।  
स्तिमिरछारकाः सन्तु बुधजनाः ॥ ७ ॥

मलछरात्मके विमलजनपुरे ।  
जननि त्वं सदा निवस ज्ञानदे ॥ ८ ॥


जयतु जयतु नित्यं शारदा वेदमाता (मालिनीवृत्तम्)  
जयतु जयतु देवी ज्ञानदा मोक्षदा य ।  
जयतु जयतु या श्रीः सर्वदेवैरुपास्या  
जयतु जयतु नित्यं भारती चित्स्वरूपा ॥ ९ ॥

इति श्री श्रीधरस्वामीविरचितं श्रीशारदास्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥


रथनास्थल शिगेडलू शडे १८६४

Composed on the occasion of inauguration of shigehaLLI vedapATHashAIA

---

——  
*Shri Sharada Stotram*

pdf was typeset on November 22, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

